आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 295 | उज्जैन, रविवार 14 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

वैश्विक बाजार से सीधे जुड़ेंगे मप्र के कपास उत्पादक किसान-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पीएम मित्रा पार्क से मध्यप्रदेश बनेगा देश की कॉटन कैपिटल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जैविक कपास उत्पादन में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में है। देश में जितना जैविक कपास उत्पादन होता है उसमें मध्यप्रदेश का योगदान लगभग 40 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा धार जिले में प्रथम पीएम मित्रा पार्क के शिलान्यास से मध्यप्रदेश देश की कॉटन कैपिटल बन जायेगा। कपास उत्पादक किसानों का सीधा संपर्क अंतर्राष्ट्रीय बाजार से हो जायेगा। पीएम मित्रा पार्क किसानों की मेहनत को वैश्विक पहचान दिलाने वाला ऐतिहासिक क्षण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसे प्रदेश के औद्योगिक भविष्य की आधारशिला और किसानों के लिए नई

संभावनाओं का द्वार बताया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि से किसानों की उपज खेतों से सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँच जायेगी। इसमें मध्यप्रदेश की कपास उत्पादक धरती सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। इस पार्क से कपास उत्पादक किसानों की समृद्धि के नये द्वार खुलेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि पीएम मित्रा पार्क किसानों, श्रमिकों, महिलाओं और युवाओं का जीवन बदलने वाली औदयोगिक परियोजना है। कपास उत्पादक किसान अब सीधे कपास आधारित उद्योगों से जुड़ जायेंगे, जिससे मध्यप्रदेश का कपास केवल फसल न रहकर प्रदेश की औद्योगिक पहचान बनेगा। मध्यप्रदेश कपास उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। प्रदेश के मालवा अंचल के जिलों में सबसे ज्यादा कपास उत्पादन होता है। इनमें प्रमुख रूप से इंदौर, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, खरगौन, बड़वानी, खण्डवा और बुरहानपुर शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कोल इंडिया की अंतरिम कोयला नीति को रखा बरकरार, हाईकोर्ट के फैसले को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कोल इंडिया लिमिटेड की 2006 की अंतरिम कोयला नीति की वैधता को बरकरार रखा। इस नीति के तहत गैर-प्रमुख क्षेत्र (नान कोर सेक्टर) के उद्योगों को आपूर्ति किए गए कोयले की कीमत में 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के 2012 के निर्णय को खारिज कर दिया, जिसने इस नीति को असंवैधानिक करार दिया था। कोल इंडिया ने हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा, हाई कोर्ट ने विवादित निर्णय पारित करते समय गंभीर त्रुटि की। हम अंतरिम कोयला नीति को वैध मानते हैं। 128 पृष्ठों के निर्णय को लिखते हुए जस्टिस पार्डीवाला ने कहा कि अधिसूचित कीमतों के ऊपर 20 प्रतिशत की वृद्धि का उद्देश्य कोयले की आपूर्ति बनाए रखना और सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं के लिए बाजार में इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करना था। यह नहीं कहा जा सकता कि अपीलकर्ता (कोयला इंडिया) द्वारा गैर-कोर क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए अंतरिम कोयला नीति में 20 प्रतिशत की वृद्धि लाभ के उद्देश्य से प्रेरित थी।

आवास का अधिकार जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा, सुप्रीम कोर्ट ने मिडिल क्लास का दर्द बयां किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीवनभर की गाढ़ी कमाई लगाकर फ्लैट और घर बुक कराने के बाद घर का सपना लिए भटक रहे हजारों फ्लैट खरीदारों के दुख को सुप्रीम कोर्ट ने समझा है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाया है, जिससे न सिर्फ फ्लैट खरीदारों का सपना पूरा हो बल्कि रियल एस्टेट में लोगों का भरोसा भी कायम हो।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आवास का अधिकार मात्र एक अनुबंध आधारित अधिकार नहीं है, बल्कि यह संविधान के तहत मिले जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इसलिए वह ऐसे निर्देश दे रहा है, जिससे कि भारत के नागरिकों का घर का सपना पूरा हो। उनका यह सपना जीवनभर का दुस्स्वप्न न बने। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यम वर्ग के दर्द को बयां करते हुए कहा है कि घर के लिए जीवनभर की कमाई लगाने के बाद वह दोहरा बोझ ढोता है। एक तरफ घर की ईएमआइ भरता है और दूसरी ओर किराया देता है। वह सिर्फ अपने घर का सपना पूरा करना चाहता है, जो अधबनी इमारत बन कर रह जाती है।

दो सरकारी बैंकों को 20 सबसे बड़े बैंकों में शामिल करने की तैयारी, बैंकिंग सुविधाओं में होगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र के निर्माण को ध्यान में रखते हुए बैंकिंग सेक्टर में बड़े बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है।

इस क्रम में देश के दो सरकारी बैंकों को दुनिया के शीर्ष 20 बैंकों में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। अभी देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक का स्थान संपदा के हिसाब से 43वां है। भारत का एक भी बैंक दुनिया के पहले 20 बैंकों में शामिल नहीं है।

शुक्रवार को वित्तीय सेवाएं विभाग के सचिव के नेतृत्व में सभी सरकारी बैंकों के प्रबंध निदेशक व अन्य प्रबंधकीय अधिकारियों के साथ मंथन 2025 की शुरुआत की गई जो शनिवार तक जारी रहेगा। वित्त मंत्रालय सूत्रों के भविष्य में सरकारी बैंकों की भूमिका तेजी से बदलने वाली है। देश की जरूरतें बदल रही है। 2047 तक भारत विकसित देश बनने जा रहा है तो बैंकों को भी बड़ा बदलाव करना होगा।

सूत्रों के मुताबिक ग्राहकों को विकसित देशों की तरह बैंकिंग सुविधा देने पर मंथन में विस्तृत चर्चा की गई। इसके लिए सभी बैंकों से उन कारणों पर गौर करने के लिए कहा गया है जहां ग्राहक असंतुष्ट रह जाते हैं।

ग्राहकों के फीडबैक और उनकी असंतुष्टि से जुड़े डाटा को खंगालने के लिए कहा गया है। सभी बैंकों में ग्राहकों के लिए एक प्रकार के नियम पर भी चर्चा की गई। अभी अलग-अलग बैंकों में ग्राहक सेवा से जुड़े अलग-अलग नियम है। निजी बैंकों को भी ग्राहकों से जुड़ी सेवा को आसान करने बनाने के लिए कहा जा रहा है।

97 लाख पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग से होगा 40,000 करोड़ का फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि यदि देश में सभी 97 लाख प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को कबाड़ में तब्दील कर दिया जाए तो केंद्र और राज्यों को जीएसटी के रूप में 40,000 करोड़ रुपये तक का लाभ होगा। उन्होंने बताया कि अगस्त तक तीन लाख वाहन कबाड़ घोषित किए जा चुके हैं, जिनमें 1.41 लाख सरकारी वाहन भी शामिल हैं।

गडकरी ने वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं के निकाय एक्मा के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमारे अनुमान के मुताबिक करीब 97 लाख वाहनों को कबाड़ में बदलने की जरूरत है। ऐसा होने पर 70 लाख नौकरियां पैदा होंगी और केंद्र एवं राज्यों को जीएसटी राजस्व के तौर पर करीब 40,000 करोड़ रुपये मिलेंगे।

उन्होंने निजी क्षेत्र से आग्रह किया कि वाहन को कबाड़ में देने यानी स्क्रैप का प्रमाणपत्र जमा करने वाले ग्राहकों को नए वाहन खरीदते समय कम से कम पांच प्रतिशत की छूट दें।

गडकरी ने कहा कि वर्तमान में हर महीने औसतन 16,830 वाहन स्क्रैप हो रहे हैं और निजी क्षेत्र ने इस क्षेत्र में 2,700 करोड़ रुपये का निवेश किया है। गडकरी ने ऊर्जा सुरक्षा एवं ईंधन आयात पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत हर साल 22 लाख करोड़ रुपये के पेट्रोल-डीजल ईंधन का आयात करता है और कृषि से एथनाल उत्पादन बढ़ाकर आयात पर निर्भरता कम की जा सकती है।

गौरव गोगोई के पाकिस्तानी संबंधों के बारे में रिपोर्ट विस्फोटक, सीएम हिमंत ने बड़े खुलासे का किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई और उनके परिवार के कथित पाकिस्तानी संबंधों की जांच करने वाली एसआइटी की रिपोर्ट विस्फोटक है। यह एक ऐसे गिरोह की ओर इशारा करती है, जो देश की विकास प्रक्रिया को बदनाम करने और नीचा दिखाने के लिए काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि एक गिरोह है, जो हमारे देश की विकास प्रक्रिया को बदनाम करने और उसका अपमान करने के लिए काम कर रहा है।

भारी बारिश में नहीं उड़ सका हेलीकॉप्टर तो कार से ही चुराचांदपुर पहुंचे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारी बारिश के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर की राजधानी इंफाल पहुंचे। यह उनकी पहली यात्रा थी जब से मई 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़की थी। प्रधानमंत्री ने चुराचांदपुर और इंफाल जाकर लोगों से मुलाकात की और भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार मणिपुर को फिर से सामान्य जीवन की ओर ले जाने के लिए पूरी कोशिश कर रही है।

मणिपुर में मई 2023 में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। इस हिंसा में अब तक 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 60 हजार लोग अपने घर छोड़कर सरकार द्वारा बनाए गए राहत शिविरों में रह रहे हैं।

अहम है पीएम मोदी की यात्रा- इसलिए पीएम मोदी का मणिपुर दौरा काफी ज्यादा अहम माना जा रहा है। उनका पहला पड़ाव चुराचांदपुर का पीस ग्राउंड था, जहां कुकी-जो समुदाय के लोग रहते हैं। इसके बाद वे कांगला किला जाएंगे, जो मैतेई समुदाय के लिए सांस्कृतिक और राजनीतिक महत्व रखता है।

भारी बारिश की वजह से प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। अधिकारियों ने बताया कि मौसम यात्रा के अनुकूल नहीं था। ऐसे में पीएम मोदी ने सड़क से करीब डेढ़ घंटे की यात्रा तय करने का फैसला किया और लोगों तक पहुंचे।

पीए मोदी ने कहा, मैं मणिपुर के लोगों की भावना को सलाम करता हूं। इतनी बारिश के बावजूद आप बड़ी संख्या में यहां आए। मेरा हेलीकॉप्टर नहीं उड़ सका, तो मैंने सड़क से आने का फैसला किया। रास्ते में तिरंगा लेकर खड़े लोगों का जो प्यार मिला, वह पल मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा।

पीएम मोदी की लोगों से अपील- पीएम मोदी ने अपने भाषण में कहा कि भारत सरकार पूरी ताकत से राज्य में जीवन को सामान्य करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने मणिपुर के लोगों को भरोसा दिलाया कि मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार आपके साथ है। साथ ही, उन्होंने सभी समुदाय से अपील की कि वे हिंसा छोड़कर शांति का रास्ता अपनाएं ताकि अपने सपनों को पूरा कर सकें।

22 की उम्र में हत्यारा बन गया टायलर रॉबिन्सन... चार्ली किर्क के कातिल पर अहम खुलासे

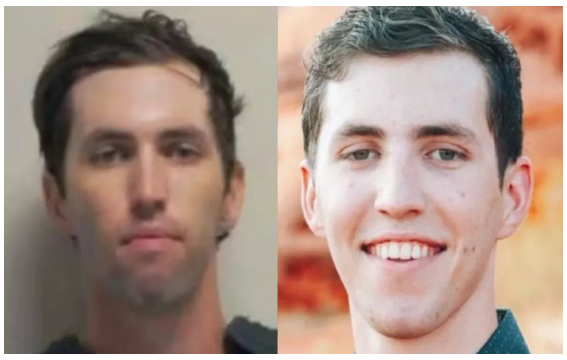

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी माने जाने वाले चार्ली किर्क की यूटा वैली यूनिवर्सिटी में गोली मारक हत्या कर दी गई। चार्ली कर्क की हत्या के आरोपित को घटना के 33 घंटे के अंदर वाशिंगटन काउंटी से दबोचा गया। आरोपी की पहचान टायलर रोबिन्सन के तौर पर की गई है। जानकारी के अनुसार, आरोपी घटनास्थल से 400 किलोमीटर दूर तक भाग चुका था।

गिरफ्तारी के बाद अधिकारी ये पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि टायलर रोबिन्सन ने चार्ली किर्क को गोली क्यों मारी। अधिकारियों ने अभी तक गोलीबारी के सटीक कारण का पता नहीं लगाया है, हालांकि उन्होंने शुक्रवार सुबह उसकी गिरफ्तारी की घोषणा करते हुए कुछ सुराग दिए। आइए आपको बताते हैं कि रॉबिन्सन कौन है और उसने किर्क की हत्या क्यों की?

कौन है टायलर रॉबिन्सन- यूटा विश्वविद्यालय में चार्ली किर्क की हत्या के आरोप में जांचकर्ताओं ने टायलर रॉबिन्सन को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रॉबिन्सन का कोई भी आपराधिक रिकॉर्ड नहीं रहा है। जांच के दौरान रॉबिन्सन के परिवार के सदस्यों ने बताया कि वह हाल के दिनों में काफी राजनीतिक हो गया था। वहीं, अधिकारियों ने कहा कि उसने संदिग्ध हत्या के हथियार से मिले गोलियों के खोल पर फासीवाद-विरोधी संदेश उकेरे थे।

वर्तमान में 22 साल के रॉबिन्सन को किर्क की हत्या और अन्य आरोपों में गिरफ्तार किया गया। वहीं, रॉबिन्सन के रजिस्टर्ड वोटर है; हालांकि, उसका किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है। कहा जा रहा है कि उसने साल 2024 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में भी मतदान नहीं किया था।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ग्रे डॉज चैलेंजर कार से घटनास्थल पर गया था। वह कार शुक्रवार को दो मंज़िला प्लास्टर वाले घर के बाहर खड़ी थी। यह घर अल्फाल्फा के खेतों के बीच बने एक अपेक्षाकृत नए आवासीय क्षेत्र में स्थित है।

उसी विश्वविद्यालय में की पढ़ाई- बताया जा रहा है कि रॉबिन्सन ने साल 2021 में यूटा के सेंट जॉर्ज स्थित पाइन व्यू हाई स्कूल से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की है। हाल में दीक्षांत समारोह का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें रॉबिन्सन मंच पर अपना डिप्लोमा लिए हुए दिखाई दे रहा है और लोग तालियां बजा रहे हैं। इसके बाद एक सेमेस्टर के लिए उसने लोगान स्थित यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी में कुछ समय के लिए पढ़ाई की।

क्यों छोड़ी पढ़ाई- गौरतलब है कि यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है कि उसने विश्वविद्यालय की पढ़ाई क्यों छोड़ी। हालांकि, लेकिन यूटा की सार्वजनिक विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत आने वाले डिक्सी टेक्निकल कॉलेज ने पुष्टि की कि वह स्कूल के इलेक्ट्रिकल अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम में तीसरे वर्ष का छात्र है।

US में भारतीय की हत्या करने वाले आरोपी को किया जाएगा डिपोर्ट, बाइडेन प्रशासन की नीतियों पर भी उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका रे टेक्सास के डलस शहर से एक ऐसी घटना पिछले दिनों सामने आई, जिसने हर एक भारतीय को अंदर से झकझोर कर रख दिया। यहां पर एक भारतीय मूल के होटल मैनेजर की हत्या कर दी गई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसको देखने को बाद आपकी रूह कांप जाए।

दरअसल, योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज नाम के एक व्यक्ति ने भारत के नागमल्लैया की गर्दन काट कर हत्या कर दी। इतना ही नहीं कुल्हाड़ी से गर्दन अलग करने के बाद उसे पैरों से फूटबाल की जैसे मार फेंके। ये सब कुछ उसकी पत्नी की आंखों के सामने किया गया। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और जेल भेज दिया गया है। अमेरिका के आईसीई अधिकारियों ने बताया कि आरोपी योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज को देश से निकालने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इस घटना के करीब दो दिन बाद अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने घोषणा की है कि आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन ने हमलावर को देश से निकाले की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एक बयान में इस बात की जानकारी दी गई है। बताया जा रहा है कि योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज पर बाल यौन शोषण, मोटर वाहन की बड़ी चोरी, झूठे कारावास और कार की चोरी जैसे अपराध दर्ज हैं। एक बयान में डीएचएस के बयान में आगे कहा गया है कि कोबोस-मार्टिनेज ने कथित तौर पर एक व्यापारी का सिर कुल्हाड़ी से काट दिया। बताया जा रहा है कि इसके बाद योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज ने पीड़ित के सिर पर फुटबॉल के जैसे लात मापी।

मेरे फैसले से भारत-अमेरिका में आई कड़वाहट..., 50% टैरिफ थोपने के बाद डोनाल्ड ट्रंप को हो रहा पछतावा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार यह बात कबूल ली है कि टैरिफ लगाने की वजह से भारत-अमेरिका के रिश्तों पर बुरा असर पड़ा है। शुक्रवार को ट्रंप ने कहा कि 50 प्रतिशत टैरिफ लगान से दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट आ गई है।

फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, भारत उनका (रूस) सबसे बड़ा ग्राहक है। मैंने रूस से तेल खरीदने के कारण ही भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। यह करना आसान नहीं था।

ट्रंप के टैरिफ लगाने के बाद दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर भी सहमति नहीं बन पा रही है। अमेरिका की शर्त है कि अगर भारत खेती और डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपिनयों के लिए खोलेगा, तभी टैरिफ कम होगा। बता दें कि दोनों देशों के बीच हर साल का द्विपक्षीय व्यापार 190 बिलियन डॉलर है।

बता दें कि अमेरिका ने भारत पर पहले से 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाया था, जिसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। यह टैरिफ 27 अगस्त से लागू हो गया था। मंगलवार को ट्रंप ने ट्रेड डील पर बात करने को लेकर कहा था कि वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने पर विचार कर रहे हैं। दोनों देशों में जल्द ही ट्रेड डील साइन हो सकती है।

रूस में फिर डोली धरती, कमचटका में आया तेज भूकंप

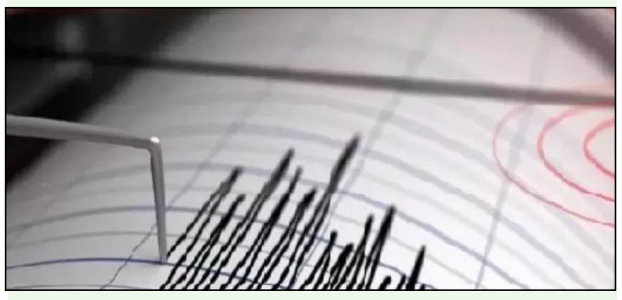

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस में एक बार फिर तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रूस के कमचटका इलाके में शनिवार को भूकंप आया, जिसका मैग्नीट्यूड 7.1 दर्ज किया गया है। भूकंप से लोगों में दहशत का माहौल का। जर्मन रीसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेस के अनुसार, भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर (6.2 मील) नीचे गहराई में दर्ज किया गया है। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे का दावा है कि भूकंप की तीव्रता 7.4 मैग्नीट्यूड था, जिसकी गहराई 39.5 किलोमीटर (24.5 मील) जमीन के अंदर थी। पासिफिक सुनामी वॉर्निंग सिस्टम के अनुसार, भूकंप के कारण इलाके में तेज सुनामी आने का खतरा है।

भारत से की पढ़ाई, पति ने हाईजैक कर लिया था प्लेन...

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में भयानक हिंसा के बाद एक बार फिर सत्ता परिवर्तन देखने को मिला। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और उनकी सरकार गिर गई। वहीं, अब नेपाल की पूर्व चीफ जस्टिस रहीं सुशीला कार्की को अंतरिम पीएम बनाया गया है।

चर्चित न्यायाधीश और नामचीन लेखक होने के नाते सुशीला कार्की को जेन-जी का भी समर्थन मिला है। 5000 से ज्यादा लोगों की बैठक में ज्यादातर सदस्यों ने सुशीला कार्की के नाम पर सहमति दर्ज कराई है।

बतौर जज अपने कार्यकाल में सुशीला कार्की न सिर्फ भ्रष्टाचार बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भी सख्त रुख अपना चुकी हैं। यही वजह है कि वो जेन-जी की पहली पसंद बनीं और 73 साल की उम्र में नेपाल की सियासत का प्रमुख चेहरा बन गईं।

सुशीला कार्की का जन्म 1952 को विराटनगर के शंकरपुर में हुआ था। पिता पेशे से किसान थे और सुशीला सात भाई-बहनों में सबसे बड़ी बेटी। 1971 में उन्होंने त्रिभुवन विश्वविद्यालय के महेंद्र मोरंग से स्नातक की डिग्री हासिल की और फिर 1975 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से राजनीतिक विज्ञान में स्नातक किया। 1978 में कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद सुशीला कार्की ने विराटनगर से ही वकालत की प्रेक्टिस शुरू कर दी।

पति ने प्लेन हाईजैक किया- सुशीला कार्की ने नेपाल कांग्रेस के मशहूर नेता दुर्गा प्रसाद सुबेदी के साथ सात फेरे लिए थे। दोनों की मुलाकात बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में ही हुई थी, जिसके बाद दोनों ने शादी कर ली।

सुशीला कार्की के पति सुबेदी का नाम 1970 में नेपाल कांग्रेस के युवा क्रांतिकारियों में शामिल था। उस दौरान बीरेंद्र शाह नेपाल के राजा था। क्रांतिकारियों को सशस्त्र विद्रोह के लिए 30 लाख रुपये जुटाने थे।

बिना इंटरनेट नेपाल में कैसे एकजुट हुए प्रदर्शनकारी?

Gen-Z आंदोलन पर अब हुआ चौंकाने वाला खुलासा

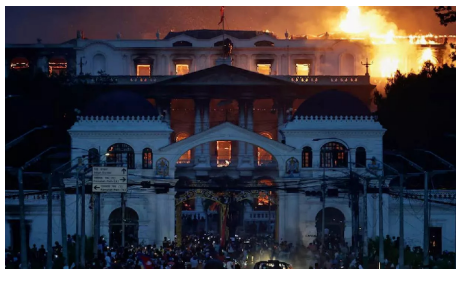

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में अचानक हिंसा भड़की और महज कुछ घंटों के भीतर समूची राजनीति को हिलाकर रख दिया। संसद पर हमला बोलने से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का घर फूंकने समेत नेपाल की गलियों से एक के बाद एक कई दिल दहलाने वाली तस्वीरें सामने आई।

इस आंदोलन में शामिल ज्यादातर लोग 20 साल के आसपास थे, जिससे आंदोलन को जेन-जी का नाम दे दिया गया। कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ नेपाल पहले से सोशल मीडिया पर अभियान चल रहा था। वहीं, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के बाद युवाओं का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने सरकार के खिलाफ मुहिम छेड़ दी।

नेपाल हिंसा में 19 लोगों की मौत हो गई। आखिर में सरकार ने सोशल मीडिया से भी बैन हटा दिया। मगर, प्रदर्शनकारियों की भीड़ इसपर भी नहीं मानी और नेपाल के कई हिस्सों में आगजनी जारी रही।

विश्व बैंक के अनुसार, सोशल मीडिया बैन और इंटरनेट पर प्रतिबंधन लगाने के बावजूद नेपाल की आधी से ज्यादा आबादी ऑनलाइन थी। इसके लिए प्रदर्शनकारियों ने VPN की मदद ली। ब्लूटूथ मैसेजिंग ऐप बिटचैट पर भी लोगों ने एक-दूसरे को संदेश भेज रहे थे।

वरिष्ठ पत्रकार प्रणय राणा के अनुसार, नेपाल हिंसा में तकनीकी का बहुत अहम रोल था। यह सबकुछ तब शुरू हुआ, जब लोगों ने नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ सोशल मीडिया पर आवाज उठाई।

ट्रंप पर ही उल्टा पड़ेगा टैरिफ का दांव, 10 लाख अमेरिकी हो सकते हैं गरीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ को लेकर दावा करते आ रहे हैं कि इससे राजस्व में वृद्धि होगी और अमेरिकियों को लाभ मिलेगा। लेकिन येल यूनिवर्सिटी के बजट लैब द्वारा किए गए एक विश्लेषण के अनुसार, टैरिफ ज्यादा अमेरिकियों को गरीबी की ओर धकेल सकते हैं।

विश्लेषण में पाया गया है कि ट्रंप द्वारा टैरिफ में की गई बढ़ोतरी से 2026 तक गरीबी में रह रहे अमेरिकियों की संख्या में लगभग 10 लाख की वृद्धि हो सकती है। इस अध्ययन में आधिकारिक गरीबी माप का उपयोग किया गया है, जो प्री-टैक्स आय के आधार पर गरीबी की गणना करता है।

गरीबी में वृद्धि- अमेरिकी जनगणना ब्यूरो ने बताया था कि पिछले साल के अंत तक 3.6 करोड़ लोग गरीबी में जी रहे थे। आय में जीवन-यापन की लागत के अनुरूप वृद्धि होने से गरीबी दर 0.4 प्रतिशत अंक घटकर 10.6 प्रतिशत रह गई।

बजट लैब ने अधिक व्यापक माप, पूरक गरीबी माप का विश्लेषण करने पर पाया कि गरीबी में भी वृद्धि होगी। पूरक गरीबी माप में खाद्य, बच्चों की देखभाल, चिकित्सा और अन्य खर्चों को शामिल किया जाता है। इसके अनुसार गरीबी दर 2026 में 12 से बढ़कर 12.2% हो जाएगी।

निम्न आय वाले ज्यादा खरीदते हैं आयातित उत्पाद- अर्थशास्त्रियों का कहना है कि टैरिफ और उससे जुड़ी कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा असर कम आय वाले परिवारों पर पड़ता है।

दुर्भाग्य से हिंसा ने इस इलाके को..., मणिपुर के लोगों से पीएम मोदी ने किया वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वोत्तर के दौरे पर हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने मिजोरम और मणिपुर को करोड़ों रुपये के परियोजनाओं की सौगात दी। मणिपुर पहुंचते ही पीएम मोदी ने हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। मणिपुर में दो साल से अधिक समय से जारी हिंसा के बाद यह पहला मौका है, जब पीएम मोदी मणिपुर पहुंचे हैं।

चूड़चंदपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, मणिपुर की ये धरती हौसलों और हिम्मत की धरती है। ये हिल्स, प्रकृति का अनमोल उपहार हैं और साथ ही ये हिल्स आप सभी लोगों की निरंतर मेहनत का भी प्रतीक हैं।

पीएम मोदी ने बारिश के बावजूद भी बड़ी संख्या में आए हुए लोगों का आभार जताया। उन्होंने कहा, मैं मणिपुर के लोगों के जज्बे को सैल्यूट करता हूं। इतनी भरी बारिश में भी आप इतनी बड़ी संख्या में यहां आए, मैं आपके इस प्यार के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं।

पीएम ने कहा. मणिपुर के नाम में ही मणि है, ये वो मणि है जो आने वाले समय में पूरे नॉर्थ-ईस्ट की चमक को बढ़ाने वाली है। भारत सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि मणिपुर को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाएं। इसी कड़ी में मैं आज यहां आप सभी के बीच आया हूं।

अपने दौरे में पीएम मोदी ने मणिपुर को 7 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स की सौगात दी। इसका जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, थोड़ी देर पहले इसी मंच से करीब 7 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास हुआ है। ये प्रोजेक्ट्स मणिपुर के लोगों की, यहां हिल्स पर रहने वाले ट्राइबल समाज की जिंदगी को और बेहतर बनाएंगे।

तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में बड़ा हादसा, कपास मिल में आग लगने से लाखों का सामान नष्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलानाडु के डिंडीगुल जिले में शुक्रवार को रात में एक कपास मिल में आग लग गई। आग के कारण लाखों रुपये का कपास जलकर खाक हो गया। जानकारी के अनुसार, मिल पिल्लैयारनाथम इलाके में चल रही थी।

दरअसल, ये घटना शुक्रवार देर रात है, जब कपास मिल के अंदर आग लग गई। इस घटना की जानकारी तुरंत डिंडीगुल अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल कर्मचारी मौके पर पहुंचे। दो दमकल गाड़ियों की मदद से एक घंटे से ज्यादा मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया।

किसी के हताहत होने की सूचना नहीं- अधिकारियों ने बताया कि आग के कारण कपास मिल में रखा लाखों रुपयों का कपास का स्टॉक पूरी तरीके से जलकर खाक हो गया। हालांकि, गनीमत इस बात की रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। चिन्नालापट्टी पुलिस ने आग लगने के कारणों की जाँच शुरू कर दी है। इसी तरीके की एक घटना इससे पहले शनिवार को भी सामने आई थी। तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले के थिट्टानकुलम औद्योगिक क्षेत्र में एक माचिस की फैक्ट्री में आग लग गई।

नेपोटिज्म के दबाव में फल-फूल रही भारत की राजनीति, ADR की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यों की विधानसभा हो या देश की लोकसभा, वंशवाद की बेल हर जगह लहलहा रही है। सत्ता में बैठा हर पांचवा नेता वंशवादी राजनीतिक की देन है। इसी तथ्य के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न गैर राजनीतिक पृष्ठभूमि के एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने की बात कही थी।

लोकसभा में करीब एक तिहाई सांसद वंशवाद की उपज हैं या परिवार की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, वहीं राज्यों की विधानसभाओं में ऐसे सदस्य 20 प्रतिशत हैं। एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) के अनुसार यह दिखाता है कि राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश पर स्थापित राजनीतिक परिवारों का कड़ा नियंत्रण है ।

लोकसभा में वंशवाद ज्यादा हावी- लोकसभा में वंशवादी पृष्ठभूमि से आने वाले सदस्य 31 प्रतिशत हैं वहीं राज्य विधानसभाओं में ये प्रतिशत 20 है। यह दिखाता है कि राष्ट्रीय स्तर की राजनीति में प्रवेश पर स्थापित राजनीतिक परिवारों का कड़ा नियंत्रण है वहीं राज्यों की राजनीति में बाहरी लोगों का प्रवेश अपेक्षाकृत आसान है।

काडर आधारित पार्टियों में कम है वंशवाद - छोटे राज्यों की तुलना में बड़े राज्यों में, जहां राजनीतिक दलों का संगठन मजबूत है, वहां वंशवाद ज्यादा जगह नहीं बना पाया है, जैसे तमिलनाडु और बंगाल में ऐसी पृष्ठभूमि से आने वाले जनप्रतिनिधियों का प्रतिशत क्रमश- 15 और 9 है।

इसलिए चुप था क्योंकि..., मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस में बरी वाहिद शेख ने मांगा 9 करोड़ का मुआवजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में साल 2006 में मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। महज कुछ मिनट में हुए इन धमाकों ने 187 लोगों की जान ले ली थी। वहीं, इस हादसे में 600 से अधिक लोग घायल हुए थे। इस मामले में एटीएस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक थे डॉ. दीन मोहम्मद शेख, जिन्हें इस मामले में आरोपी बनाया गया और उनकी गिरफ्तारी हुई।

इसके बाद नौ साल तक जेल में कैद रहे। इसी साल कोर्ट ने उनको बरी कर दिया है। हालांकि, पिछले 9 सालो में उनके परिवार पर जो गुजरा है, उसने उनके परिवार पर एक गहरा जख्म दिया है। अब 46 साल के वाहिद दीन मोहम्मद शेख ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और अन्य आयोगों से 9 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है।

9 करोड़ रुपये मुआवजे की मांग- डॉ. दीन मोहम्मद शेख ने कहा कि ये लड़ाई केवल पैसे की नहीं है, बल्कि इंफाफ और स्वीकार्यता की है। उन्होंने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अलावा महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग और राष्ट्रीय अल्पसंख्य आयोग से कारावास की अवधि और पीड़ा के लिए 9 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है।

क्या बोले मोहम्मद शेख- 46 साल के डॉ. वाहिद दीन मोहम्मद शेख ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि साल 2006 में मुझे इस बम ब्लास्ट मामवे में मकोका के तहत एटीएस द्वारा झूठा फंसाया गया। नौ साल तक जेल में रहने के बाद 11 सितंबर 2015 को न्यायाधीश यातिन डी. शिंदे की माननीय विषेश अदालत ने मेरे खिलाफ कोई सबूत नहीं पाया और फिर मुझे बरी कर दिया गया। मैं जेल से तो बाहर आ गया, हालांकि, जो नौ साल मैंने जेल में गंवाए, जो अपमान मैंने झेला और जो दर्द मेरे परिवार ने झेला, उसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकी है।

रिश्ते में अब पुनर्मिलन की गुंजाइश नहीं, 14 साल से अलग रह रहे पति-पत्नी के मामले में HC की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की उच्च न्यायालय ने शादी के विवाद से जुड़े एक मामले में अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने पति की अपील की स्वीकार करते हुए शादी को समाप्त करने और पत्नी को 15 लाख रुपये स्थायी गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया।

दरअसल, पूरा मामला कोरबा जिले के कटघोरा क्षेत्र का है। यहां पर एक दंपती साल 2011 से अलग रह रहे थे। दंपती के बीच विवाद का मामला कोर्ट में विचाराधीन था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पति की अपील स्वीकार करते हुए फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त किया और पति को तलाक की डिक्री प्रदान की।

इस मामले की सुनवाई के जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद ने की। मामले की सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि पत्नी वर्षों से अलग रह रही है और उसने पति व ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना समेत कई मुकदमे दर्ज कराए थे।

कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि बिना पर्याप्त कारण वैवाहिक जीवन से दूरी बनाना पति के प्रति क्रूरता की श्रेणी में आता है। न्यायालय ने पत्नी और बेटी के भविष्य को देखते हुए पति को आदेश दिया कि वह 15 लाख रुपये का स्थायी गुजारा भत्ता अदा करे।

बता दें कि एसईसीएल में माइनिंग सरदार के पद पर काम कर रहे एक युवक की शादी फरवरी 2020 में हुई। कुछ समय बाद दंपती ने एक बेटी को जन्म दिया। कुछ समय बाद ही दंपती के बीच विवाद बढ़ता चला गया। विवाद तलाक तक पहुंच गया। पति का आरोप था कि पत्नी ने वैवाहिक दायित्व निभाने से इनकार किया और परिवार से अलग रहने का दबाव बनाया। वहीं, पत्नी ने आरोप लगाया कि लड़की होने पर ससुरालवालों का व्यवहार बदल गया और उन्होंने पांच लाख रुपये की मांग करते हुए उत्पीड़न शुरू किया।

बढ़ते विवाद के विवाद के बीच पत्नी ने पति और ससुरालवालों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना (498ए), घरेलू हिंसा और भरण-पोषण के मामले दर्ज कराए। पत्नी ने आरोप लगाया कि पति और परिवार वालों ने मारपीट की और जान से मारने का प्रयास किया।

सभी को बोलने का अधिकार..., घर पर फायरिंग के बाद और क्या बोले दिशा पाटनी के पिता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर पर फायरिंग से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। इस हमले की जिम्मेदारी जाने-माने गैंगस्टर गोल्डी बरार ने ली है। हमले की वजह दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी के द्वारा हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करना बताया गया है। दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी ने बड़ी बेटी खुशबू के पक्ष में बयान दिया है। दरअसल लगभग एक महीने पहले खुशबू पाटनी ने कथावाचक अनिरुद्धाचार्य पर विवादित बयान दिया था। इस मामले के तूल पकड़ने के बाद दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग देखने को मिली है।

क्या बोले दिशा के पिता- दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी का कहना है, मुझे नहीं लगता कि किसी ने कुछ गलत कहा है। अगर आचार्य जी ने महिलाओं के बारे में कुछ कहा, तो मेरी बेटी ने भी कह दिया। सभी को बोलने की आजादी है। मगर, इसे इतना बड़ा मुद्दा बनाना ठीक नहीं है।

बता दें कि पूर्व आर्मी ऑफिसर खुशबू पाटनी ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए कथावाचक अनिरुद्धाचार्य को स्त्रियों से नफरत करने वाला बताया था। उनके इस बयान को प्रेमानंद महाराज के विरुद्ध भी देखा जा रहा था, लेकिन बाद में खुशबू ने साफ कर दिया कि उन्होंने सिर्फ अनिरुद्धाचार्य के संदर्भ में यह बयान दिया था।

बीती रात हुई फायरिंग के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। गोल्डी बरार गैंग के सदस्य वीरेंद्र चरण ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। वीरेंद्र का कहना है कि खुशबू ने प्रेमानंद महाराज का अपमान किया है। हमले के बाद चेतावनी देते हुए वीरेंद्र ने कहा- अगली बार से उसने (खुशबू) या किसी और ने हमारे धर्म का अपमान किया, तो हम उसे जिंदा नहीं छोड़ेंगे। हमले की जानकारी देते हुए दिशा पाटनी के पिता ने बताया, 2 लोग बाइक से आए थे। एक आरोपी बाइक चला रहा था और उसने हेलमेट पहना था. वहीं दूसरे के हाथ में बंदूक थी और उसने हेलमेट नहीं लगाया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल सप्तमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

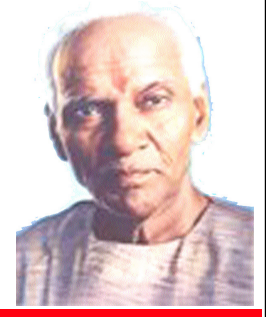

संपादकीय

भारत एक ऐसा देश है जो अपनी विविधताओं में एकता के लिए जाना जाता है...

भारत एक ऐसा देश है जो अपनी विविधताओं में एकता के लिए जाना जाता है।यहां सैकड़ों भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं, जिनमें से हिंदी देश की सबसे ज्यादा बोली और समझी जाने वाली भाषा है। यह दिन केवल एक भाषा के सम्मान का दिन नहीं है, बल्कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति और पहचान की आत्मा का उत्सव है। हिंदी न केवल भारत में करोड़ों लोगों की मातृभाषा है, बल्कि यह विश्व के उन प्रमुख भाषाई ध्वजों में से एक है, जिसने अपनी जड़ों को मजबूत बनाए रखा,वैश्विक स्तरपर भी विस्तार पाया है।हर साल 14 सितंबर का दिन पूरे देश में हिंदी दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वैश्विक स्तरपर इंग्लिश मंदारिन के बाद,हिंदी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोलने वाली भाषा है।10 जनवरी 2025 को जहां विश्व में हिंदी दिवस मनाया जाता है, वही 14 सितंबर को भारत में हिंदी दिवस के रूप में भी मनाया जा रहा है, क्योंकि हिंदी को 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में राजभाषा बनाने का फैसला किया था।वैश्विक स्तरपर हिंदी को लेकर पहला आयोजन 10 जनवरी 1974 को महाराष्ट्र के नागपुर में किया गया था, इस सम्मेलन में 30 देशों के 122 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। साल 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्घाटन किया था। साल 2006 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। हिंदी हमारी एक राजभाषा है और उत्तर भारत के कई राज्यों में प्रमुख रूप से बोली जाती है। हिंदी भारत के अलावा भारत के पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका में भी बोली जाती है,इसके अलावा दुनियाँ के कई देशों में यह भाषा लोकप्रिय है और मॉरीशस जैसे देशों में भी बोली जाती है। हिंदी को जन-जन की भाषा के रूप में भी जाना जाता है औए इस भाषा को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए हिंदी दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।हर साल दो बार हिंदी दिवस मनाया जाता है। जनगणना 2011 के अनुसार, भारत की लगभग 44 पर्सेंट आबादी हिन्दी को अपनी मातृभाषा के रूप में बोलती है।

हिन्दी भाषा का प्रभाव सबसे ज़्यादा उत्तर भारत में देखने को मिलता है। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली को अक्सर 'हिन्दी बेल्ट' कहा जाता है।इसी पृष्ठभूमि में 14 सितंबर को हिन्दी दिवस मनाना न सिर्फ भाषा के गौरव को बढ़ाता है, बल्कि हमें यह भी याद दिलाता है कि अपनी मातृभाषा कोअपनाना और आगे बढ़ाना कितना ज़रूरी है।साहित्य की बात करें तो हिन्दी साहित्य का एक महत्वपूर्ण दौर छायावादी युग कहलाता है, जिसके चार स्तंभ माने जाते हैं- जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा।वहीं, हिन्दी के 'राष्ट्रकवि' रामधारी सिंह दिनकर को माना जाता है।हिन्दी हमारी पहचान और संस्कृति का अहम हिस्सा है, इसलिए इस दिन लोग अलग-अलग तरीकों से अपनी मातृभाषा का सम्मान करते हैं। चूँकि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा व जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से, इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,राष्ट्रीय हिंदी दिवस 14 सितंबर 2025, हिंदी भाषा सभी समुदायों धर्मों संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है।

हिन्दी दिवस

अ	आ	इ	ई	उ
ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ
	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
	ष	स	ह	
	क्ष	त्र	ज्ञ	

हिंदी भारतीय गणराज की राजकीय और मध्य भारतीय- आर्य भाषा है। सन् 2001 की जनगणना के अनुसार, लगभग 25.79 करोड़ भारतीय हिंदी का उपयोग मातृभाषा के रूप में करते हैं, जबकि लगभग 42.20 करोड़ लोग इसकी 50 से अधिक बोलियों में से एक इस्तेमाल करते हैं। सन् 1998 के पूर्व, मातृभाषियों की संख्या की दृष्टि से विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं के जो आँकड़े मिलते थे, उनमें हिन्दी को तीसरा स्थान दिया जाता था। सन् 1997 में भारत की जनगणना का भारतीय भाषाओं के विश्लेषण का ग्रन्थ प्रकाशित होने तथा संसार की भाषाओं की रिपोर्ट तैयार करने के लिए यूनेस्को द्वारा सन् 1998 में भेजी गई यूनेस्को प्रश्नावली के आधार पर उन्हें भारत सरकार के केन्द्रीय हिन्दी संस्थान के तत्कालीन निदेशक प्रोफ़ेसर महावीर सरन जैन द्वारा भेजी गई विस्तृत रिपोर्ट के बाद अब विश्व स्तर पर यह स्वीकृत है कि मातृभाषियों की संख्या की दृष्टि से संसार की भाषाओं में चीनी भाषा के बाद हिन्दी का दूसरा स्थान है। चीनी भाषा के बोलने वालों की संख्या हिन्दी भाषा से अधिक है किन्तु चीनी भाषा का प्रयोग क्षेत्र हिन्दी की अपेक्षा सीमित है। अँगरेज़ी भाषा का प्रयोग क्षेत्र हिन्दी की अपेक्षा अधिक है किन्तु मातृभाषियों की संख्या अँगरेज़ी भाषियों से अधिक है। इसकी कुछ बोलियाँ, मैथिली और राजस्थानी अलग भाषा होने का दावा करती हैं। हिंदी की प्रमुख बोलियों में अवधी, भोजपुरी, ब्रजभाषा, छत्तीसगढ़ी, गढ़वाली, हरियाणवी, कुमांऊनी, मागधी और मारवाड़ी भाषा शामिल हैं।

आधुनिक हिंदी

हिंदी के आधुनिक काल तक आतेङ्कआते ब्रजभाषा जनभाषा से काफ़ी दूर हट चुकी थी और अवधी ने तो बहुत पहले से ही साहित्य से मुँह मोड़ लिया था। 19वीं सदी के मध्य तक अंग्रेज़ी सत्ता का महत्तम विस्तार भारत में हो चुका था। इस राजनीतिक परिवर्तन का प्रभाव मध्य देश की भाषा हिंदी पर भी पड़ा। नवीन राजनीतिक परिस्थितियों ने खड़ी बोली को प्रोत्साहन प्रदान किया। जब ब्रजभाषा और अवधी का साहित्यिक रूप जनभाषा से दूर हो गया तब उनका स्थान खड़ी बोली धीरे-धीरे लेने लगी। अंग्रेज़ी सरकार ने भी इसका प्रयोग आरम्भ कर दिया।

हिंदी के आधुनिक काल में प्रारम्भ में एक ओर उर्दू का प्रचार होने और दूसरी ओर काव्य की भाषा ब्रजभाषा होने के कारण खड़ी बोली को अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ा। 19वीं सदी तक कविता की भाषा ब्रजभाषा और गद्य की भाषा खड़ी बोली रही। 20वीं सदी के आतेङ्कआते खड़ी बोली गद्य-पद्य दोनों की ही साहित्यिक भाषा बन गई।

इस युग में खड़ी बोली को प्रतिष्ठित करने में विभिन्न धार्मिक सामाजिक एवं राजनीतिक आंदोलनों ने बड़ी सहायता की। फलतः खड़ी बोली साहित्य की सर्वप्रमुख भाषा बन गयी।

सामान्य अर्थ - समस्त हिंदी भाषी क्षेत्र की परिनिष्ठित भाषा अर्थात् शासन, शिक्षा, साहित्य, व्यापार आदि की भाषा।

व्यापक अर्थ

आधुनिक युग में हिंदी को केवल खड़ी बोली में ही सीमित नहीं किया जा सकता। हिंदी की सभी उपभाषाएँ और बोलियाँ हिंदी के व्यापक अर्थ में आ जाती हैं। राजा राममोहन राय, केशवचंद्र सेन, नवीन चंद्र राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, तरुणी चरण मिश्र, राजेन्द्र लाल मित्र, राज नारायण बसु, भूदेव मुखर्जी, बंकिम चंद्र चैटर्जी (हिंदी भाषा की सहायता से भारतवर्ष के विभिन्न प्रदेशों के मध्य में जो ऐक्यबंधन संस्थापन करने में समर्थ होंगे वही सच्चे भारतबंधु पुकारे जाने योग्य हैं।), सुभाषचंद्र बोस (अगर आज हिंदी भाषा मान ली गई है तो वह इसलिए नहीं कि वह किसी प्रान्त विशेष की भाषा है, बल्कि इसलिए कि वह अपनी सरलता, व्यापकता तथा क्षमता के कारण सारे देश की भाषा हो सकती है।)।

समाचार

आज़ादी के 64 साल बाद भी सरकार हिंदी को राजभाषा से राष्ट्रभाषा नहीं बना पाई है, मगर अब उसने सरकारी दफ़्तरों में इस्तेमाल होने वाली हिंदी को बदलने के प्रयास अवश्य तेज कर दिए हैं। दफ़्तरों में इस्तेमाल होने वाले हिंदी के कठिन शब्दों की जगह उर्दू, फ़ारसी, सामान्य हिंदी और अंग्रेज़ी के शब्दों का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की सचिव वीणा उपाध्याय ने इस सिलसिले में सभी मंत्रालयों और विभागों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के मुताबिक़, कामकाज के दौरान साहित्यिक हिंदी का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। किसी भी शब्द का हिंदी में उपयोग बतौर अनुवाद न हो। इससे आम लोगों को समस्या होती है। एक हद के बाद यही समस्या किसी भी व्यक्ति को मानसिक तौर पर भाषा के ख़िलाफ़ खड़ा करती है। गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की सचिव वीणा उपाध्याय ने सभी मंत्रालयों और विभागों को जारी किए दिशा-निर्देश मंत्रालय के इस आदेश के बाद पुलिस, कोर्ट, ब्यूरो, रेलवे स्टेशन, बटन, कोट, पैंट, सिग्नल, लिफ़्ट, फीस, क़ानून, अदालत, मुक़दमा, दफ़्तर, एफ़आईआर जैसे अंग्रेज़ी, फ़ारसी और तुर्की भाषा के शब्दों का चलन जारी रहेगा।

भारत की राजभाषा हिंदी दुनिया में दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। बहुभाषी भारत के हिंदी भाषी राज्यों की आबादी 46 करोड़ से अधिक है। 2011 की जनगणना के मुताबिक़ भारत की 1.2 अरब आबादी में से 41.03 फीसदी की मातृभाषा हिंदी है। हिंदी को दूसरी भाषा के तौर पर इस्तेमाल करने वाले अन्य भारतीयों को मिला लिया जाए तो देश के लगभग 75 प्रतिशत लोग हिंदी बोल सकते हैं। भारत के इन 75 प्रतिशत हिंदी भाषियों सहित पूरी दुनिया में तकरीबन 80 करोड़ लोग ऐसे हैं जो इसे बोल या समझ सकते हैं। भारत के अलावा इसे नेपाल, मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, यूगांडा, दक्षिण अफ्रीका, कैरिबियन देशों, ट्रिनिडाड एवं टोबेगो और कनाडा आदि में बोलने वालों की अच्छी ख़ासी संख्या है। इसके अलावा इंग्लैंड, अमेरिका, मध्य एशिया में भी इसे बोलने और समझने वाले अच्छे ख़ासे लोग हैं।

ऑस्ट्रेलिया के स्कूलों में हिंदी और अन्य प्रमुख एशियाई भाषाएं पढ़ाई जाएंगी। भारत और अन्य एशियाई देशों से संबंध मजबूत बनाने के लिए यह रणनीति तय की गई है। ऑस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री जूलिया गिलार्ड ने नई नीति का पहला खाका रखते हुए कहा, ÷जिस समय ऑस्ट्रेलिया बदल रहा था उसी समय एशिया में भी बदलाव हो रहा था, इस सदी में चाहे जो मिले, यह निश्चित ही एशिया को नेतृत्व में फिर से लाएगा। एशिया के उत्थान को कोई नहीं रोक सकता। यह तेज हो रहा है।÷ प्रधानमंत्री जूलिया गिलार्ड ने एशियन सेंचुरी व्हाइट पेपर जारी करते हुए इसकी घोषणा की। गिलार्ड ने कहा कि शुरुआत स्कूलों, प्रशिक्षण केंद्रों से करना होगी। हरेक स्कूल एशिया के किसी स्कूल के साथ जुड़ेगा और एक प्रमुख एशियाई भाषा हिंदी, मंदारिन, जापानी या इंडोनेशियन सीखने की पहल करेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने की कोशिश करना होगी। अब पहले जैसा नहीं चलेगा। गिलार्ड ने कहा कि इस सदी में एशिया के बड़ी ताकत बनने की संभावना है। विश्व में यह क्षेत्र नेतृत्व की भूमिका में होगा।

GMP अभी से दिखा रहा 56 का फायदा, 108 गुना सब्सक्राइब हुआ सस्ता IPO

नई दिल्ली (एजेंसी)। अर्बन कंपनी के आईपीओ को रिटेल निवेशकों की तरफ से तगड़ा रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी के आईपीओ को तीन दिन में 108 गुना सब्सक्राइब किया गया है। निवेशकों के नजरिए से अच्छी बात यह है कि ग्रे मार्केट अभी 56 रुपये का फायदा दिखा रहा है। मौजूदा जीएमपी ने निवेशकों को में उत्साह बढ़ा दिया है।

इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ आज शनिवार को 56 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। मौजूदा जीएमपी 54 प्रतिशत के प्रीमियम पर लिस्टिंग के संकेत दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में अर्बन कंपनी का आईपीओ सबसे मजबूत स्थिति में है।

अर्बन कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 98 रुपये से 103 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया था। कंपनी ने आईपीओ के लिए 145 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 14935 रुपये का दांव लगाना पड़ा था। यह आईपीओ 10 सितंबर से 12 सितंबर तक रिटेल निवेशकों के लिए खुला था। अर्बन कंपनी के आईपीओ का साइज 1900 करोड़ रुपये का है। यह इश्यू फ्रेश शेयरों और ऑफर फॉर सेल दोनों पर आधारित है। फ्रेश इश्यू के जरिए कंपनी ने 4.58 करोड़ शेयर जारी किए हैं। वहीं, ऑफर फार सेल के जरिए 13.86 करोड़ शेयर जारी किए हैं। एंकर निवेशकों के लिए यह आईपीओ 9 सितंबर को खुला था। एंकर निवेशकों से कंपनी ने 853.87 करोड़ रुपये जुटाए थे। बता दें, कंपनी की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई में अगले हफ्ते प्रस्तावित है।

सब्सक्रिप्शन की बात करें तो यह इश्यू 41.49 गुना सब्सक्राइब किया गया था। वहीं, रिटेल कैटगरी में आईपीओ को 147.35 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

सितंबर में मालामाल करने वाली फसल, लाखों का होगा मुनाफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सितंबर का महीना चल रहा है। बरसात का मौसम अपने आखिरी दौर पर है। सितंबर में कई फसलों की बुआई शुरू हो जाती है। इस मौसम में कई ऐसी फसलें और सब्जियां हैं जिनकी खेती करके किसान भाई लाखों रुपये की आमदनी मात्र कुछ ही दिनों में कमा लेते हैं। अगर आप भी कोई बिजनेस करना चाहते हैं, तो यह Business Idea आपको कुछ ही दिनों में लाखों रुपये की कमाई करा सकता है।

बरसात का मौसम खत्म होते ही किसानों अपने खेतों में नई फसल और सब्जियां बोने के लिए तैयार हो जाते हैं। हम जिस बिजनेस आइडिया की बात कर रहे हैं वह एक सब्जी है। ये सब्जी आपको महीनों में लाखों रुपये का फायदा करा सकता है।

सितंबर के महीने में लाखों की कमाई के लिए आप पालक की सब्जी की खेती कर सकते हैं। बरसात के बाद खेतों की मिट्टी में नमी रहती है। यह मिट्टी पालक की खेती के लिए बड़ी उपयुक्त रहती है। पालक बोने के बाद 20 से 30 दिनों में ही यह तोड़ने लायक हो जाती है। यानी फसल बोने के 30 दिन बाद आमदनी आना शुरू हो जाती है। 5 किलो बीज बोने पर आपको अच्छा खासा मुनाफा हो सकता है। 5 किलो बीज लगभग 1 हजार रुपये का आएगा।

1800 रुपये में अपने शेयर वापस खरीदेगी यह धाकड़ कंपनी, किया ऐलान, मार्केट प्राइस से अधिक कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दिग्गज कंपनी इंफोसिस ने 18000 करोड़ रुपये के बायबैक का ऐलान किया है। इंफोसिस के इतिहास का यह सबसे बड़ा बायबैक है। गुरुवार को हुए इस ऐलान की वजह से इंफोसिस के शेयरों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली थी। कंपनी के शेयर बीएसई में 1 प्रतिशत की तेजी के बाद 1425.10 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। इससे पहले दिन में इंफोसिस के शेयरों में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई है।

यह 5वीं बार है जब इंफोसिस अपने ही शेयर वापस खरीदने जा रही है। इससे पहले आखिरी बार इंफोसिस ने 2022 में बायबैक किया था।

तब बायबैक का साइज 9300 करोड़ रुपये का था। पहली बार कंपनी ने 2017 में बायबैक किया था। तब बायबैक का साइज 13000 करोड़ रुपये था। 2019 में हुए बायबैक का साइज 9260 करोड़ रुपये है। तीसरी बार हुए बायबैक का साइज 9200 करोड़ रुपये और चौथी बार के बायबैक का साइज 9300 करोड़ रुपये था।

शेयर बाजार में इंफोसिस के शेयरों की कीमतों में 21 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, 2 साल में इंफोसिस का शेयर महज 1.65 प्रतिशत का रिटर्न ही दे पाया है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 21.84 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। बता दें, 3 साल में इंफोसिस के शेयरों में 0.65 प्रतिशत की गिरावट आई है।

अडानी के इस शेयर पर विदेशी ब्रोकरेज फिदा, 1815 का दिया है टारगेट प्राइस

नई दिल्ली (एजेंसी)। गौतम अडानी समूह की कंपनी- अडानी पोर्ट्स के शेयर बिकवाली मोड में है लेकिन ब्रोकरेज जेफरीज इसको लेकर बुलिश है। विदेशी ब्रोकरेज को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह शेयर 1800 रुपये के पार जाएगा। आइए डिटेल में जान लेते हैं। जेफरीज के मुताबिक वित्त वर्ष 25-27 के दौरान अडानी पोर्ट्स की क्षमता में 17 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जिससे इस अवधि में बिक्री में 15 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि और एबिटा में 19 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि होगी। जेफरीज ने कहा- हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 25-30 के लिए एबिटा की ष्ट्रत्र्र 15 प्रतिशत रहेगी, जिसमें बिक्री में 11 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि शामिल है। ब्रोकरेज ने शेयर के लिए टारगेट प्राइस 1815 का तय किया है। अडानी के इस शेयर की वर्तमान कीमत 1392 रुपये पर है। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 1,493.85 रुपये है। शेयर का यह भाव जून 2025 में था।

हाल ही में अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने जहाज मालिकों और संचालकों को सूचित किया है कि उसके बंदरगाहों पर अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ द्वारा प्रतिबंधित किसी भी जहाज को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

सेबी के नए नियमों की वजह से Jio के IPO का साइज हो जाएगा आधा! बड़ी कंपनियों के लिए गेमचेंजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेबी ने कई नियमों बदलाव किए हैं। जिसका फायदा आईपीओ लाने जा रही दिग्गज कंपनियों को मिलेगा। मार्केट रेगुलेटर ने मिनिमम पब्लिक ऑफर और मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग से जुड़े नियमों में संशोधन किया है। इसकी वजह से अब रिलायंस जियो, एनएसई के आईपीओ का साइज आधा हो सकता है। आइए जानते हैं कि ऐसे कौन से बदलाव हैं जो रिलायंस जियो के लिए गेमचेंजर साबित होगा।

मौजूदा नियमों के अनुसार ऐसी कंपनियां जिनका मार्केट वैल्यू 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। उन्हें कम से कम 5 प्रतिशत हिस्से को आईपीओ के जरिए बेचना पड़ता था। ब्रोकरेज हाउस त्नश्द्यस्न्द्वङ्खठ्ठ स्ङ्क्षद्धह्य का अनुमान है कि बुल केस में रिलायंस जियो की मार्केट वैल्यू 13.5 लाख करोड़ रुपये के करीब होगी। ऐसे में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की स्थिति में जियो के आईपीओ का साइज 58000 से 67500 करोड़ रुपये तक हो सकता था। एक्सपर्ट्स की मानें तो यह भारतीय शेयर बाजार के लिए बड़ी चुनौती पेश करता। लेकिन नियमों के संशोधन ने जियो को बड़ी राहत दी है।

सेबी के नए प्रस्ताव के अनुसार अब 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की साइज वाले आईपीओ में 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी ही बेचनी होगी। इस प्रस्ताव के अनुसार जियो के आईपीओ का साइज आधा होकर 30,000 करोड़ रुपये के स्तर पर आ सकता है। बता दें, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी ने हाल ही में समाप्त हुई एजीएम में जियो के आईपीओ की टाइमलाइन का ऐलान किया था। मुकेश अंबानी ने बताया था कि जियो का आईपीओ का 2026 की पहली छमाही में आ सकता है।

रिकवरी के ट्रैक पर टाटा का यह शेयर, 1200 रुपये तक जा सकता है भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते शुक्रवार को जब शेयर बाजार गुलजार था तब टाटा ग्रुप की कंपनी- टाटा केमिकल्स के शेयर की चाल सुस्त नजर आई। इस कंपनी के शेयर ट्रेडिंग के दौरान 958.20 रुपये के निचले स्तर तक आ गए और इसकी क्लोजिंग भी 961.15 रुपये के लाल निशान पर हुई। हालांकि, इस शेयर को लेकर टेक्निकल चार्ट कुछ और ही इशारा करते हैं। बता दें कि टाटा का यह शेयर अपने 52 हफ्ते के लो से रिकवरी मोड में है।

बिजनेस स्टैंडर्ड की एक खबर में टेक्निकल चार्ट के हवाले से बताया गया है कि टाटा केमिकल्स के शेयर में करीब 25 पर्सेंट उछाल आ सकता है। इस शेयर के लिए संभावित लक्ष्य 1200 है। शेयर को सपोर्ट 955, 945 और 920 पर है। वहीं, ब्रेकआउट 972, 1000, 1030 और 1100 पर है। इस खबर के मुताबिक जब तक टाटा केमिकल्स का शेयर 955 से ऊपर बना रहता है, तब तक इसके शेयर में तेजी का रुख रहने की संभावना है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

कॉलेज बना जंग का अखाड़ा, लेबर रूम में महिला डॉक्टरों के बीच जमकर मारपीट

शहडोल। बिरसा मुंडा शासकीय मेडिकल कॉलेज में एक बार फिर डॉक्टरों की फूहड़ता सामने आई है। शुक्रवार की रात में यहां के लेबर रूम में इंटर्न महिला डॉक्टरों ने हंगामा किया। मरीजों के सामने डॉक्टर आपस भिड़ गए और एक दूसरे के साथ मारपीट करने लगे। जहां डाक्टर लड़ रहे थे वहां गर्भवती महिलाओं का वार्ड है। डॉक्टरों की हंगामेदार लड़ाई से वहां भर्ती महिलाएं डर गई थीं।

घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

जानकारी के अनुसार एक महिला डॉक्टर शिवानी लाखिया ने लिखित शिकायत में आरोप लगाया कि उसकी सहपाठी इंटर्न डॉक्टर ने उसके बाल पकड़कर उसे जमीन पर पटक दिया और कपड़े फाड़ दिए। जान से मारने की धमकी

भी दी है। इस पूरे घटनाक्रम को नर्सिंग स्टाफ, गार्ड और अन्य मेडिकल कर्मियों ने देखा जिनके नाम गवाहों में दर्ज हैं। वहीं पूरी घटना वहां के लेबर रूम के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। इंटर्न डॉक्टर का यह पहला विवाद नहीं

इतना ही नहीं, इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। प्रसारित वीडियो के बाद कॉलेज प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग में हलचल मची है। सूत्रों के अनुसार इंटर्न डॉक्टर का यह पहला विवाद नहीं है। इससे पहले भी वह नफीस बस विवाद और महादेव प्रकरण जैसी कई घटनाओं में शामिल रही है। इसके बाद एक और वीडियो प्रसारित हो रहा है, जिसमें प्रसव कराते समय डॉक्टर पर हमला करते हुए कैमरा छीन लिया गया है।

डॉक्टरों की सुरक्षा पर उठे सवाल-पीड़िता और स्टाफ ने आरोपित इंटर्न डॉक्टर के निलंबन के साथ आपराधिक प्रकरण दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की गई है। इधर कॉलेज प्रबंधन और पुलिस पर मामले को दबाने के आरोप भी लग रहा है। मारपीट कांड ने मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था और महिला डॉक्टरों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कॉलेज में इलाज कराने आई महिलाओं और उनके परिजनों का कहना है कि जिस जगह पर जीवन बचाने की जिम्मेदारी है, वहां खुद डॉक्टर ही हिंसक हो जाएं तो क्या स्थिति बनेगी।

मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों का विवाद हुआ। जांच कमेटी बना दी गई है और विवाद करने वाले डॉक्टरों के अभिभावकों भी बुलाया गया है। लड़ने वाले डॉक्टर बाहर के हैं। सोमवार तक जांच रिपोर्ट आ जाएगी और अभिभावक भी आ जाएंगे। लापरवाही हुई है कार्रवाई होगी। डीन अभी बाहर हैं। वे भी सोमवार को आ जाएंगे और कार्रवाई होगी। डॉ.नागेंद्र सिंह,अधीक्षक मेडिकल कालेज शहडोल।

मौसमी बीमारियों का कहर, हॉस्पिटल के ओपीडी में लग रही मरीजों की लंबी लाइन

जबलपुर। जिला अस्पताल विक्टोरिया में मौसमी बीमारियों से पीड़ित अधिक पहुंच रहे हैं। ओपीडी में भी सामान्य दिनों की तुलना में मरीजों की कतार लंबी है। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव ने लोगों की सेहत पर बुरा असर डाला है। कभी बारिश, कभी धूप और फिर अचानक से ठंडी हवाओं के कारण वायरल संक्रमण और मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। है। इसका सीधा असर शहर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल विक्टोरिया अस्पताल पर देखने को मिल रहा है। हालांकि राहत की बात है कि शहर सहित जिले में एच3एन2 इंफ्लूएंजा वायरस ने अभी दस्तक नहीं दी है।

लगातार बढ़ रहे हैं वायरल से पीड़ित मरीज-नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल की ओपीडी में सामान्य वायरल से पीड़ित मरीज ही पहुंच रहे हैं। इस बीच दोनों ही सरकारी अस्पतालों में नए वायरस को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। जिला अस्पताल के एमडी मेडिसिन डॉ. अंकित अनूप मरावी ने बताया कि मौसम में हो रहे बदलाव के कारण लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है, जिससे वे आसानी से वायरल इन्फेक्शन और मलेरिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। बारिश थमने के बाद तेज धूप भी बीमारी का कारण हो सकता है। जरूरत इससे बचने की और सेहत को लेकर सावधानी की है। 280 बिस्तर क्षमता वाले जिला अस्पताल

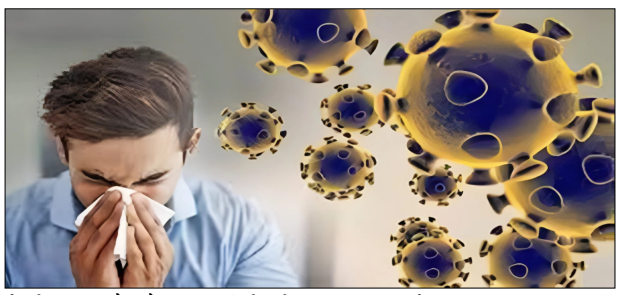

के बेड फुल है और कई मरीजों जो विभिन्न वार्डों में सात दिन से अधिक समय से भर्ती और गंभीर रूप से बीमार हैं उन्हें मेडिकल रेफर भी किया जा रहा है। ताकि उन्हें स्वास्थ्य लाभ मिले और दूसरे मरीजों को बेड उपलब्ध हो सके। सबसे ज्यादा मरीज खांसी, बुखार और बदन दर्द जैसी मौसमी बीमारियों के आ रहे हैं।

जिले में इंफ्लूएंजा वायरस के केस नहीं-मेडिकल कालेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अरविंद शर्मा ने इस संबंध में नईदुनिया को बताया कि दिल्ली में सक्रिय एच3एन2 इंफ्लूएंजा वायरस नया वेरियंट है और समय-समय पर ये वायरस बदलते रहते हैं, नए वेरियंट में तेज बुखार, गले में खराश, सिरदर्द, बदन दर्द और कमजोरी के लक्षण मरीजों में देखा जा रहा है। हालांकि मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में ऐसे केस जांच में सामने नहीं आए हैं। उनके अनुसार डॉक्टरों की हमारी टीम सामान्य वायरल संक्रमण से पीड़ित प्रत्येक मरीज की जांच व उन्हें दवा उपलब्ध करा रही है।

इंफ्लूएंजा वायरस की पहचान यदि किसी मरीज में हुई तो उसके लिए दवा के साथ पृथक वार्ड भी होगा। जिला अस्पताल की ओपीडी में भी नियमित रूप से करीब 600 से 700 मरीज आते हैं। लेकिन इस नए वेरियंट की पहचान नहीं हुई है। जिले के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रदीप पटेल के अनुसार सामान्य बुखार, सर्दी-जुकाम के मरीज इन दिनों अधिक जिला अस्पताल सहित नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में आ रहे हैं। ये सभी मौसमी बदलाव के कारण स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित अधिक हैं।

एच3एन2 इंफ्लूएंजा वायरस के लक्षण-एच3एन2 इंफ्लूएंजा वायरस फ्लू का एक प्रकार है जो इंसानों में तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द और कमजोरी जैसे लक्षण उत्पन्न कर सकता है। यह मुख्य रूप से श्वसन संक्रमण का कारण बनता है और समय पर इलाज न मिलने पर जटिलताएं पैदा कर सकता है। लक्षण आमतौर पर लगभग 5 से 7 दिनों तक रहते हैं।

इस तरह बचाव संभव-इस फ्लू के बढ़ते मामलों के बावजूद ज़्यादातर लोग अपने डाक्टर से इलाज करवाकर घर पर ही ठीक हो सकते हैं। गंभीर मामलों में अस्पताल में आइसोलेट किया जाता है। फ्लू के लक्षण लगभग एक या दो हफ़्ते तक रहते हैं, लेकिन खांसी और कमज़ोरी कुछ हफ़्ते तक और रह सकती है। इसमें सबसे जरूरी है पर्याप्त आराम।

नए वेरियंट की ऐसे होती है पहचान-सामान्य निदान विधियों में शामिल हैं आरटी-पीसीआर परीक्षण, श्वसन नमूनों में एच3एन2 वायरस की उपस्थिति की पहचान करता है। वायरल कल्चर में प्रयोगशाला में वायरस को विकसित करके उसका पता लगाता है। एंटीबॉडी परीक्षण में वायरस के प्रति प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को मापता है। मेडिकल कालेज ऐसे किसी संदिग्ध मरीजों की नमूने अपनी लैब के साथ आईसीएमआर को जांच के लिए भेजता है।सामान्य वायरल के लक्षण

इसमें बुखार, गले में खराश, सिरदर्द, शरीर में दर्द, थकान, नाक बहना या बंद होना और खांसी शामिल हैं। कुछ लोगों को दस्त, मतली या त्वचा पर चकत्ते भी हो सकते हैं। वायरल संक्रमण के लक्षण हल्के से लेकर गंभीर तक हो सकते हैं, समय पर रोग की पहचान व उपचार से मरीज को जल्दी आराम मिल जाता है।सामान्य वायरल से बचाव

बार-बार नाक, कान और आंखों को छूने से बचें। बाहर से आने के बाद साबुन से हाथ धोएं। पब्लिक प्लेस और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहन कर जाएं। दूसरे व्यक्ति की निजी चीजों के इस्तेमाल से बचें और बेड रेस्ट और चिकित्सकीय परामर्श का पालन ही बेहतर है।

सीएम मोहन यादव ने मौके पर किया न्याय, धोखाधड़ी करने वाले को गिरफ्तार करने का दिया आदेश

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बार साबित किया कि वे राजा विक्रमादित्य को आदर्श क्यों मानते हैं। अपने चिर-परिचित अंदाज में उन्होंने एक बार फिर सुनवाई की और फैसला ऑन द स्पॉट किया। उन्होंने एक युवक की गुहार पर वहीं खड़े-खड़े मामले के दोषी की गिरफ्तारी के आदेश दिए।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि दोषी को तत्काल हवालात में बंद करें। इसके बाद उन्होंने युवक को गले से लगाकर मदद का आश्वासन दिया। दरअसल, यह मामला एक फॉर-व्हीलर से जुड़ा है। पीड़ित युवक का आरोप है कि उसे कंपनी ने गलत गाड़ी बेची है। सीएम डॉ. यादव के निर्देश के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीएम डॉ. यादव के यह अंदाज सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।गौरतलब है कि, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रतलाम में एक जगह जनता से संवाद कर रहे थे। इस बीच पूनम चंद नाम का शख्स अपनी फरियाद लेकर उसके पास आया। उसे देखते ही सीएम डॉ. यादव ने अपने पास बुलाया और मामला पूछा। युवक ने बताया कि मसला उसकी गाड़ी का है। उसने फायनेंस पर 8 लाख 32 हजार की फॉर-व्हीलर ली थी। इस पर वह 9 लाख 86 हजार दे भी चुका है। बेचने वाली कंपनी ने बॉडी बदलकर एक साल पुरानी गाड़ी मुझे दे दी। मेरे साथ बहुत बड़ा धोखा हो गया।

फिर साथ आए कमल नाथ और दिग्विजय, कांग्रेस नेतृत्व की बढ़ेंगी मुश्किलें

भोपाल। ज्योतिरादित्य सिंधिया के चलते मध्य प्रदेश में तत्कालीन कमल नाथ सरकार गिरने को लेकर दिए बयानों से आमने-सामने आए कमल नाथ और दिग्विजय सिंह एक बार फिर साथ आ गए हैं। दोस्ती बरकरार रहना प्रदेश में कांग्रेस नेतृत्व की मुश्किलें बढ़ा सकता है। अगर 2028 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अरुण यादव को जोड़कर यह तिकड़ी खड़ी हो गई, तो राहुल गांधी द्वारा प्रदेश में युवा नेतृत्व पर लगाया गया दांव भी पलट सकता है। इन दिग्गजों की एकता केंद्रीय नेतृत्व के लिए कई चुनौतियां खड़ी करेगी।

वर्ष 2020 में कांग्रेस सरकार गिरने के मुद्दे पर दोनों नेताओं के बीच पिछले कुछ दिनों से बयान युद्ध छिड़ा हुआ था। दिग्विजय सिंह ने कहा था कि कमल नाथ ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपेक्षा कर रहे थे, इस कारण सरकार गिरी थी। जवाब में कमल नाथ ने कहा था कि सिंधिया को यह भ्रम था कि कांग्रेस सरकार दिग्विजय चला रहे हैं, इसलिए सिंधिया ने सरकार गिरा दी थी। इस विवाद के लगभग एक पखवाड़े बाद दोनों दिग्गजों के बीच दिल्ली में बैठक हुई, इसके बाद दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर कहा कि हम दोनों के जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए, मन मुटाव भी हुए, लेकिन मनभेद कभी नहीं रहे।

प्रदेश में आश्रय निधि से विकास कार्य कराये जाने के संबंध में जल्द जारी होगी गाईड लाईन

दिसम्बर 2026 तक प्रदेश की सभी पंचायतों में होंगे मुक्तिधाम- ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल

इंदौर। ग्रामीण विकास तथा पंचायतराज मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अब तेजी से कॉलोनियां विकसित हो रही है। इन कॉलोनियों में विकास के लिए पंचायतराज अधिनियम के तहत प्राप्त आश्रय निधि की बड़ी भूमिका है। हमारा प्रयास है कि आश्रय निधि का उपयोग उसी पंचायत में हो जिस पंचायत से वह राशि वसूल की गई है। आश्रय निधि के समुचित उपयोग की भी जरूरत है। इसको देखते हुए राज्य शासन द्वारा विस्तृत गाईड लाईन तैयार की जा रही है। मंत्री श्री पटेल आज यहां कलेक्टर कार्यालय में आयोजित ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती दिपाली रस्तोगी, राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, विधायक सुश्री उषा ठाकुर और श्री मधु वर्मा, श्री श्रवण चावड़ा सहित जनपद अध्यक्ष और अन्य जनप्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में मंत्री श्री पटेल ने पंचायतराज अधिनियम के तहत प्राप्त आश्रय निधि की वसूली और उसके उपयोग, ग्रामीण कॉलोनियों के संबंध में कानूनी प्रावधानों के क्रियान्वयन, आजीविका मिशन के तहत प्रस्तावित आजीविका भवन और स्वच्छता संबंधित कार्यों आदि की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आश्रय निधि की वसूली पर विशेष ध्यान दिया जाए। बताया गया कि जिले में अभी लगभग 180 करोड़ रुपये की आश्रय निधि उपलब्ध है। इसमें से जिले में ग्रामीण क्षेत्रों की चारों विधानसभा क्षेत्रों में 20 करोड़ रुपये लागत की 76 विकास कार्यों की मंजूरी दी गई। मंत्री श्री पटेल ने निर्देश दिए कि राशि का पूरा सदुपयोग किया जाये। आश्रय निधि का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों की कॉलोनियों में ड्रेनेज, विद्युतिकरण, पेयजल आदि मूलभूत सुविधाओं पर किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हमारा प्रयास है कि दिसम्बर 2026 तक हर पंचायत में एक-एक मुक्तिधाम अनिवार्य रूप से हो। इस दिशा में तेजी से प्रयास जारी है। मंत्री श्री पटेल ने इंदौर जिले में स्वच्छता अभियान की समीक्षा की। उन्होंने अभियान के अंतर्गत क्लस्टर वार एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर) बनाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आजीविका भवन भी क्लस्टर वार सुनियोजित रूप से भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाये जाए। बताया गया कि जिले में कुल 27 आजीविका भवन और मत्स्य परिसर सह शेड निर्माण का कार्य प्रस्तावित है। इन कार्यों पर लगभग 9 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

जनकल्याण और विकास की दिशा में जारी रखें सतत् प्रयास - मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनता की सेवा ही हमारा धर्म है। यही हमारा लक्ष्य भी है। आने वाली 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस दौरान नागरिकों की सेवा और सुविधा से जुड़े सभी कार्यों सहित स्वच्छता गतिविधियां भी आयोजित की जाएं। सेवा पखवाड़े को जनता को प्रदेश में सुशासन का भरपूर लाभ देने वाला पखवाड़ा बनाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंदसौर जिले के गांधीसागर से सेवा पखवाड़ा की तैयारियों के संबंध में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी कलेक्टर्स एवं कमिश्नर्स से मुखातिब हो रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी मैदानी अधिकारियों से सेवा पखवाड़ा के क्रमबद्ध आयोजन के बारे में चर्चा की और इसकी रूपरेखा सहित तैयारियों की जानकारी भी ली। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मंत्रालय से इस वीसी में सहभागिता की। इंदौर से संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स-कमिश्नर्स से कहा कि प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को और भी सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र के रूबरू कार्यक्रम में देश की लोकप्रिय एंकर ने कहा ब्रेक पर हूँ मैं, शीघ्र ही नई भूमिका दिखेगी

इंदौर। न्यूज़ मीडिया के सामने अपनी स्वतंत्रता और आवाज़ बचाए रखने की चुनौती हमेशा रही है। प्रेस इंडेक्स में भारत का निचले पायदान पर रहना एक बंधन का प्रतीक है, जिसे मीडिया को पार करना है।

ये बात स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में देश की सबसे लोकप्रिय एंकरों में अग्रणी सुश्री निधि कुलपति ने कही। टीवी न्यूज़ की वर्तमान स्थिति से आम जनता की निराशा और असंतुष्टि को सुश्री निधि कुलपति स्वीकारती भी हैं और इसे वाजिब भी मानती हैं। लेकिन, वे आशावादी भी हैं और दर्शकों से

अपील करती हैं कि टीवी न्यूज़ को छोड़ें नहीं। वे सवाल करती हैं कि किसी को घाव हो जाए तो उसका ईलाज किया जाता है या उसे उसके हाल पर छोड़ दिया जाता है? सारे टीवी न्यूज़ जगत को नकारना गलत है क्योंकि कुछ पत्रकार अभी सही पत्रकारिता कर रहे हैं। मुश्किल के साथ अच्छा काम करने में लगें पत्रकारों का साथ देना दर्शकों का और जनता का फ़र्ज़ है।

वे ईमानदारी से स्वीकारती है कि देश का प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में बहुत नीचे होना एक चुनौती है। ऐसी चुनौती अभी बढ़ी अवश्य है लेकिन रही हर दौर में है। इससे पार पाना पत्रकार का धर्म है। वे पुनः आशावाद दिखाते हुए कहती हैं कि पत्रकार एक रास्ते में अड़चन आने पर दूसरी राह खोल लेते हैं। आज सोशल मीडिया, यूट्यूब चैनलों के प्रति भरोसा बढ़ना और लोकप्रियता बढ़ना इसी का प्रतीक है।

मई 2025 में, ÷ये मेरा आखिरी बुलेटिन है कहकर पूरे देश को भावुक करने वाली सुश्री निधि कुलपति ने रूबरू कार्यक्रम में खुशखबरी दी कि वे ब्रेक पर हैं, मीडिया से दूर नहीं हुई हैं। वे नई भूमिका की तलाश में हैं और अपना यूट्यूब चैनल प्रारंभ करने समेत अन्य विकल्पों का आकलन कर रही हैं।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन की तैयारियों को लेकर की बैठक

इंदौर। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 17 सितम्बर को आगमन की तैयारियों की लेकर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी कलेक्टरों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने प्रधानमंत्री जी के आगमन को लेकर की जा रही तैयारियों को लेकर वन-टू-वन प्रबंधन के सम्बंध में जानकारी ली तथा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन पर मध्यप्रदेश में आना एक बड़ी सौगात है। इससे मध्यप्रदेश एक दौर की इबारत लिखेगा। उन्होंने कहा कि भैंसोला में आयोजित कार्यक्रम में आने वाले सभी नागरिकों के आवागमन, सुरक्षा, भोजन, पानी आदि सभी जरूरी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करें। ऐसा ट्राफिक बनायें जिससे यातायात भी बाधित नहीं हो और नागरिकों को भी परेशानी नहीं हो। वाहनों के पार्किंग के लिये पर्याप्त स्थान रखें। निर्धारित समय के पूर्व सभी कार्यक्रम स्थल पर पहुंच जाये, इसे भी सुनिश्चित करें। यातायात विभाग, पुलिस विभाग आदि सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने अधिनस्थों के साथ लगातार बैठकें करें और किये जा रहे कार्यों की मॉनीटरिंग करें। संबंधित अधिकारियों का व्हाट्सअप ग्रुप बना लें। कार्यक्रम को लेकर पूर्वअभ्यास भी कर लिया जाये।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की प्रेस वार्ता

इंदौर। नर्मदा खंड सेवा संस्थान, मगरौन जिला दमोह के द्वारा पुस्तक परिक्रमा कृपा सार का विमोचन 14 सितंबर रविवार 2025 को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होगा। यह जानकारी मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने आज इंदौर में प्रेस वार्ता के माध्यम से दी। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि इस पुस्तक का विमोचन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत करेंगे।

मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बताया कि उन्होंने दो बार नर्मदा की पैदल परिक्रमा की है। पहली परिक्रमा परम पूज्य गुरुदेव श्री बाबा श्री जी की सेवा करते हुए सन 1994 से 1996 के दौरान की थी। इस के बाद दूसरी परिक्रमा सपत्नीक और सहयोगियों के साथ 2005 में पूर्ण की थी।

पुस्तक के बारे में बताते हुए प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि 30 वर्ष पूर्व प्रथम नर्मदा परिक्रमा के दौरान एवं जबलपुर में परम पूज्य गुरुदेव श्री बाब श्री जी के चातुर्मास में लिखे गए समसामयिक लेख का संग्रह है। 30 वर्ष तक पुस्तक को छपने इसलिए नहीं दिया क्योंकि मेरा भाव था कि नर्मदा को बेचना नहीं है। लेकिन जब 65 वर्ष की आयु मेरी हुई तब मेरे सहयोगी मित्रों ने इस पुस्तक के प्रकाशन का निर्णय किया, जिसके कारण यह पुस्तक के रूप में आप सभी के सामने प्रस्तुत होगी। इस विलक्षण अवसर पर मेरा सौभाग्य और मां नर्मदा की कृपा है कि 14 सितंबर को हिंदी दिवस और इंदौर की धरती पर इस परिक्रमा कृपा सार के विमोचन का अवसर मिला तो मैं इसे मां नर्मदा का आशीर्वाद ही मानता हूं।

मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बताया कि पिछले साल जब मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान को प्रारंभ करने बात कही थी, तब मेरे मन में विचार आया कि मैं इस अभियान में क्या भूमिका निभा सकता हूं। क्योंकि मैं भारत सरकार में देश का जल शक्ति मंत्री रहा हूं, तब मेरे मन में भाव आया कि मध्यप्रदेश को नदियों का मायका कहा गया है, फिर मैंने रायसेन के ग्राम झिरी से बेतवा नदी के उद्गम से इस अभियान की शुरुआत माननीय मुख्यमंत्री जी के साथ हुई। अब तक मैं प्रत्यक्ष रूप में 106 नदियों के उद्गम स्थल पर पहुंच चुका हूं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पेटलावद हेलीपेड पर हुआ पारंपरिक रूप से स्वागत

मंत्रीगण, प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने की आगवानी

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आज पेटलावद हेलीपेड पर पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। वे यहाँ लाडली बहना योजनान्तर्गत प्रदेश की 1.26 करोड़ से अधिक लाडली बहनों के खाते में 28 वीं किश्त के 1541 करोड़ रुपये से अधिक राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण हेतु राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए पेटलावद पहुँचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की आगवानी झाबुआ के प्रभारी मंत्री व कैबिनेट मंत्री जनजातीय कार्य मंत्री डॉ.कुँवर विजय शाह, महिला एवं बाल विकास

विभाग सुश्री निर्मला भूरिया, संभागायुक्त इंदौर डॉ. सुदाम खाड़े, आईजी श्री अनुराग, झाबुआ कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना, पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव पारंपरिक रूप से नृत्य कर रहे जनजातीय भील समुदाय के सदस्यों को 5-5 रुपए का देंगे पारितोषित- मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आगमन पर स्वागत के लिए हेलीपैड पर भील समुदाय द्वारा पारंपरिक नृत्य संगीत का वादन कर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पारंपरिक ढोल मांदल का वादन व नृत्य कर रहे सदस्यों के साथ उनका अभिवादन करते हुए समुदाय का पारंपरिक साज़ थाली थामकर वादन भी किया।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

रात के समय भी कार्य करते हुए चौड़ीकरण कार्यों में लाए गति, गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें समस्त निर्माण कार्य - कलेक्टर

कलेक्टर ने निगम आयुक्त के साथ किया निगम के प्रचलित कार्यों का अवलोकन

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक है कि शहर विकास हेतु किये जा रहे निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण हो इस हेतु शहर में प्रचलित निर्माण कार्यों को गति प्रदान करते हुए 24 घण्टे कार्य करवाया जाए दिन के साथ ही रात की शिफ्ट में भी अतिरिक्त मजुदर लगाए जाकर निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए।

यह निर्देश कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह द्वारा शनिवार को निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के साथ निगम के प्रचिलत निर्माण एवं विकास कार्यों का निरीक्षण करते हुए दिए गए। आपने कहा कि निगम के जिन इंजिनियर्स के पास जो निर्माण कार्य है वे प्रतिदिन निर्माण स्थल का निरीक्षण कर गुणवत्ता की जांच करें तथा निर्माण कार्यों को

शीघ्रता से पूर्ण कराएं।

कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह द्वारा निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के साथ सबसे पहले डी मार्ट के सामने मार्ग में बन रहे चेम्बर्स की स्थिति का अवलोकन कर निर्देश दिए की चेंबर एवं रोड के लेवल में अंतर न आए सीवरेज कार्य के कारण मार्ग का कार्य अवरुद्ध न हो, दो तालाब से सार्थक नगर होते हुए इंदौर रोड पर चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन कर कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता के साथ कार्य को पूर्ण करें।

इसके पश्चात कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह द्वारा निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के साथ कोयला फाटक से गोपाल मंदिर एवं विधि क्लॉथ मार्केट से छोटी रपट पर चल रहे चौड़ीकरण कार्यों का अवलोकन करते हुए निर्देश दिए की मार्ग में आने वाले प्रभावित मंदिरों को विधि विधान के साथ विस्तापित किये जाने का कार्य भी आरंभ किया जाए, जहां जहां कार्य पूर्ण होता जा रहा है वहां इलेक्ट्रिक पोल का कार्य शीघ्र गति से करें, रोड निर्माण, फुटपाथ, नाली निर्माण का कार्य दिन के साथ रात्रि कालीन शिफ्टिंग में किया जाए, पाइपलाइन लीकेज की समस्याओं का तत्काल निराकरण कर लाईन का संधारण किया जाए, वृक्षों की शिफ्टिंग करे, पीएचई पाइपलाइन के साथ टाटा के चेंबर को हाउस से कनेक्ट करें।

अवलोकन में कार्यपालन यंत्री श्री पीयूष भार्गव, प्र. कार्यपालन यंत्री श्री साहिल मैदावाला, सहायक यंत्री श्री डी एस परिहार, श्री दीपक शर्मा, उपयंत्री श्री मुकुल मेश्राम, श्रीराजेंद्र रावत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री श्री 1008 महाराज अग्रसेनजी, माता महालक्ष्मी का पूजन कर प्रारंभ हुआ अग्रसेन जयंती महोत्सव

उज्जैन। श्री श्री 1008 महाराज अग्रसेनजी एवं माता महालक्ष्मी का पूजन कर 10 दिवसीय अग्रसेन जयंती महोत्सव प्रारंभ हुआ।

श्री अग्रवाल नवयुवक मंडल के सचिव दीपेश अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष महेश अग्रवाल ने बताया कि अग्रवाल धर्मशाला गोलामंडी पर पंचायत न्यास अध्यक्ष निमेष अग्रवाल, नवयुवक मंडल अध्यक्ष आयुष अग्रवाल द्वारा महाराजा अग्रसेनजी एवं माता महालक्ष्मी का पूजन कर 10 दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती के कार्यक्रमों की शुरूआत की। पूजन अवसर पर पंचायत न्यास सचिव दीपक मित्तल, कोषाध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, न्यासी विजय अग्रवाल, न्यासी मधुर चौधरी, नवयुवक मंडल उपाध्यक्ष इंद्रेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष अक्षत अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, श्लोक अग्रवाल, सहज अग्रवाल, पवन अग्रवाल, हरीश मित्तल, आदित्य मंगलम, नवीन गर्ग, मांगीलाल अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, पुरुषोत्तम बंसल, आदित्य बंसल आदि समाजगण मौजूद रहे।

अध्यक्ष आयुष अग्रवाल ने बताया इसी श्रृंखला में श्री अग्रवाल नवयुवक मंडल द्वारा अग्रबंधुओं के लिए भव्य आनंद मेले का आयोजन सॉलिटेयर होटल में आज 14 सितंबर रविवार की शाम 4 बजे से रखा गया है जिसमे ट्रैंपोलीन, मैजिक शो, आर्चरी, मिकी माउस, रिंग गेम, पांडा, टैटू आर्टिस्ट, नेल आर्टिस्ट, बलून शूटिंग आदि कई आकर्षक खेल एवं एक्टिविटी अग्रवाल नवयुवक मंडल द्वारा आयोजित किए जा रहे है। भोजन की व्यवस्था श्री अग्रवाल पंचायत न्यास द्वारा रखी गई है। सह सचिव श्लोक अग्रवाल ने सभी अग्रबंधुओं से मेले में पधारने का अनुरोध किया।

उज्जैन में हुई राज्य स्तरीय जम्प रोप प्रतियोगिता

उज्जैन। उज्जैन में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय जम्प रोप प्रतियोगिता में प्रदेश के 8 जिलों के 150 खिलाड़ी सम्मिलित हुए।

प्रतियोगिता का उद्घाटन म.प्र. जम्प रोप एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलकांत, उज्जैन जम्प रोप अध्यक्ष डॉ. सतिंदर कोर सलूजा द्वारा किया गया। साथ ही खंडवा जिले से मुंगेश खान, सिंगरोली से आशिक रसूल, विदिशा से ईशा में, देवास से सुशील सर, इंदौर से इंद्रदेव शर्मा सहित शाजापुर, उज्जैन और भोपाल से इस प्रतियोगिता में शामिल हुए।

भारत यात्रा' में दिखी भारत की समृद्ध कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत

उज्जैन। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित 'व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण' कार्यशाला के तहत सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम 'भारत यात्रा' का आयोजन किया गया। 10 से 12 सितंबर तक आयोजित इस कार्यशाला में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, अवंतिका विश्वविद्यालय और निर्मला कॉलेज भी संयुक्त रूप से आयोजक थे। इस कार्यक्रम ने विश्वविद्यालय परिसर को जीवंत बना दिया और भारत की समृद्ध कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत को शानदार ढंग से प्रदर्शित किया।

इस विशेष संध्या का आयोजन सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के इंद्रधनुष और सोसायटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक एंड कल्चर अमंगस्ट यूथ चैप्टर द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम भारत की विविध संस्कृति का एक प्रमाण था, जहाँ युवा कलाकारों ने मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियां-कार्यक्रम में विभिन्न भारतीय नृत्य शैलियों और संगीत का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला। अनन्या रथ ने अपनी ओडिसी नृत्य की मनमोहक मुद्राओं से दर्शकों का दिल जीत लिया। आहना चक्रवर्ती (बंगाल) ने रवींद्र नृत्य की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। ऋषभ रॉय और इशा श्रीवास्तव ने क्रमशः छत्तीसगढ़ और राजस्थान के गतिशील लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया। दोनों ने मिलकर एक जीवंत गुजराती लोक नृत्य भी प्रस्तुत किया। पाश्वी और गार्गी आचार्य ने कथक की तालबद्ध पदचाप और कहानी कहने की कला से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सिल्की ने मणिपुरी नृत्य के तरल और जटिल हाव-भावों से दर्शकों को प्रभावित किया। शाम का मुख्य संगीतमय आकर्षण विक्रम संगीतिका संगीत बैंड की प्रस्तुति थी। बैंड के सदस्यों में यश वर्मा, पृथ्वीराज गौतम, हर्ष दशलनिया, आहना चक्रवर्ती, अंशुमन सिंह, लक्षित मेड़ा और जिया टिंकर शामिल थे। बैंड ने असम, बंगाल, मालवा और राजस्थान सहित विभिन्न क्षेत्रों की लोक और शास्त्रीय धुनों का एक सामंजस्यपूर्ण मिश्रण प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों को एक गहरी संगीतमय यात्रा पर ले गया।

यह कार्यक्रम छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय निवासियों की एक बड़ी भीड़ द्वारा देखा गया, जिसने एक अमिट छाप छोड़ी। यह आयोजन सांस्कृतिक संरक्षण और कलात्मक अभिव्यक्ति के महत्व को सुदृढ़ करता है।

सेवाधाम में तर्पण और उनके परिजनों, वीर योद्धाओं के वंदन लिए अनूठा, अविस्मरणीय अद्भुत आयोजन

उज्जैन। श्राद्ध पक्ष में अपने पित्रों लिए तो सभी तर्पण करते हैं लेकिन अंकित ग्राम सेवा धाम आश्रम में राष्ट्र के अमर बलिदानियों के तर्पण के साथ योद्धाओं और उनके परिजनों के लिए वंदन कार्यक्रम का आयोजन 14 सितंबर को होने जा रहा है। शायद सेवा धाम आश्रम द्वारा देश में पहली बार ऐसा अनूठा आयोजन किया जा रहा है इसमें 50 से अधिक वीर योद्धा अपने परिवार सहित सम्मिलित होंगे जिनकी संख्या 200 से अधिक होगी।

उक्त जानकारी आश्रम संस्थापक सुधीर भाई गोयल ने देते हुए बताया कि यह अनूठा अविस्मरणीय अद्भुत आयोजन कर्नल राजकुमार सिंह चौहान, छगनलाल वर्मा और हरण चरण सिंह मल्होत्रा की विशेष उपस्थिति में प्रातः 10:30 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में अनेक युद्ध लड़ने वाले योद्धाओं में पांच वीरांगनाएं, एक वीर और 50 योद्धा अपने परिवार के साथ मेडल लगाकर सेना की ड्रेस में सम्मिलित होंगे।

अग्रवाल समाज ने किया रानी सती दादी की महिमा का गुणगान

भक्ति श्रध्दा के साथ हुए मंगल पाठ में भजनों पर झूमी महिलाएं

उज्जैन। अग्रसेन जयंती महोत्सव 2025 की शुरूआत उज्जैन अग्रवाल विकास समिति द्वारा रानी सती दादी के मंगल पाठ से हुई। अग्रसेन भवन में आयोजित पाठ में भजनों के साथ श्रध्दा भक्ति का अनुठा संगम देखने को मिला। भक्ति से ओतप्रोत महिलाएं रानी सती दादी की भक्ति में झूमकर नाची।

संस्था अध्यक्ष शैलेंद्र मित्तल ने बताया कि कविता अग्रवाल महू की मंडली द्वारा रानी सती दादीजी के जीवन की कथा और महिमा का गुणगान किया। भक्तों ने उनकी भक्ति और शक्ति की स्तुति करते हुए परिवार की सुरक्षा, समृद्धि व कल्याण के साथ सौभाग्य और स्वास्थ्य के लिए मंगलकामनाएं की। उज्जैन अग्रवाल विकास समिति द्वारा अग्रवाल भवन, अलकनंदा नगर में आयोजित पाठ में अध्यक्ष शैलेन्द्र मित्तल, सचिव सुनील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अभय अग्रवाल, सांस्कृतिक सचिव पंकज अग्रवाल, अजीत कविता मंगलम, संयोजक सरोज अग्रवाल, वन्दना अग्रवाल, अनिता गोयल लता अग्रवाल, ललिता मित्तल, शालिनी अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। पाठ की पूर्णाहुति के पश्चात समाजजनों के लिए प्रसादी का आयोजन हुआ। संचालन अजीत कविता मंगलम ने किया।

श्री बुधौलिया अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी हेतु बठिंडा (पंजाब) आमंत्रित

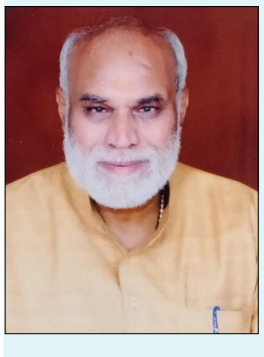

उज्जैन। नगर के वरिष्ठ साहित्यकार, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला के पूर्व अध्येता, मध्यप्रदेश लेखक संघ उज्जैन के अध्यक्ष प्रो. हरिमोहन बुधौलिया को हिन्दी दिवस पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पंजाब केन्द्रीय विवि बठिंडा के हिन्दी विभाग एवं राजभाषा कार्यान्वन समिति द्वारा हिन्दी की वैश्विक स्थिति के मूल्यांकन और सामाजिक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी की भूमिका के सन्दर्भ में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विश्व भाषा के रूप में हिन्दी - वर्तमान और संभावनाएं' विषय पर बुधौलिया अपना वक्तव्य देंगे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com